

विचार बिन्दु

यदि चिड़ियाँ एकता कर लें, तो शेर की खाल खींच सकती हैं। -शेख सादी

खिलाड़ियों से सीखें

हं गरी के बुडापेस्ट में, हाल ही में आयोजित विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भारत के चार धावकों ने 4X400 मीटर की रिलेस में अपने प्रदर्शन से न केवल देश का नाम ऊंचा किया है बल्कि देश के सामने एक बड़ा सुखद उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। पाठकों का ध्यान शायद इस ओर गया होगा कि जिन चार धावकों ने पहली बार वर्ल्ड एथलेटिक्स प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाई, उनके नाम हैं- रमेश राजेश, मोहम्मद अजमल, मोहम्मद अनस और अमोज जैकबा। इन नामों से ही स्पष्ट है कि ये हिंदू, मुस्लिम और इसाई धर्म के हैं। इन चारों की मिली-जुली ताकत का ही परिणाम था कि भारत ने पहली बार विश्व स्तर पर एथलेटिक्स के फाइनल में अपना नाम दर्ज कराया है। इन सब ने केवल और केवल भारत के गौरव को बढ़ाने का काम किया है। यह एक अच्छा अद्भुत उदाहरण है कि कैसे विविधताओं वाले देश में रहने वाले नागरिक, एकजुट होकर प्रदर्शन करते हैं तो कितना मजबूत प्रदर्शन करने में समर्थ होते हैं।

इस उदाहरण से दो बातें स्पष्ट होती हैं। एक तो यह कि देश के साधारण नागरिक को किसी के धर्म से कोई लेना-देना नहीं है और वह जब देश के लिए काम करते हैं तो इन सब बातों से ऊपर उठकर केवल माँ भारती के पुत्र रूप में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में जो जान लगा देते हैं। देश के विभिन्न भागों में अलग-अलग खेलों के लिए आवश्यक नैसर्गिक योग्यताएँ विद्यमान हैं जैसे कहीं लचीलेपन के कारण जिम्नास्टिक, आदिवासी क्षेत्रों के निवासी निशाना लगाने में, दम खम में हरियाणा, पंजाब के निवासी आदि-आदि बस, केवल उन प्रतिभाओं को समय पर पहचानने और निखारने की आवश्यकता है।

चाहे हिंदू, मुस्लिम, सिख या इसाई में जब भी कभी किसी प्रकार का सांप्रदायिक तनाव होता है तो उसके पीछे मूल कारण कुछ नेताओं की क्षुद्र राजनीति के अतिरिक्त और कुछ नहीं होता। हम यदि केवल खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शित भाव को हर क्षेत्र में बनाए रख सकें और प्रोत्साहित कर सकें तो देश की प्रगति हर क्षेत्र में बहुत तेज गति से हो सकती है, चाहे वह विज्ञान का क्षेत्र हो, खेल का हो, शिक्षा का हो, चिकित्सा का हो या अन्य किसी भी प्रकार का।

यह एक सर्व ज्ञात तथ्य है कि देश के अनेक भागों में एक धर्म के अनुराई दूसरे धर्म के धर्म स्थलों का देखरेख करते हैं और उनका पूरा ध्यान रखते हैं। लगभग हर हिन्दू उत्सवों में काम आने वाली कई वस्तुओं का काम मुसलमानों द्वारा किया जाता है। सांप्रदायिक सद्भाव के ऐसे अनेक उदाहरण सदैव से समाज में विद्यमान रहे हैं। जब भी कभी इनमें दूरियाँ बढ़ीं तो वह केवल कुछ लोगों द्वारा उकसाने के कारण या कुछ लोगों द्वारा स्थायी सिद्धि के लिए सांप्रदायिक और जातिगत तनाव पैदा करने की प्रवृत्ति के कारण हुआ है। इन चारों एथलीट को देश की ओर से सलाम किया जाना चाहिये जिन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि देश के सभी नागरिक एक जुट होकर केवल देश के लिए काम करते हैं बिना किसी भेदभाव के।

जब भी सद्भावना पूर्ण माहौल को किसी भी पक्ष द्वारा बिगाड़ने का प्रयास किया गया तो उसका खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ा है। सांप्रदायिक उन्माद से जन्मी हिंसा को नियंत्रित करने एवं उसके कारण विभिन्न क्षेत्रों में हुए नुकसान और मनमुटाव को दूर करने में देश का बहुत अधिक समय, ऊर्जा, श्रम और धन व्यर्थ होते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में सर्वाधिक प्रभावित वे लोग होते हैं जो जैसे-तैसे दो जून की रोटी का जुगाड़ करके अपने घर परिवार का गुजर-बसर करते हैं।

एक और अच्छी बात जो इस विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दौरान दिखाई दी, वह है भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले नीरज चोपड़ा और रजत पदक प्राप्त करने वाले पाकिस्तान के नदीम की दोस्ती। जब नीरज चोपड़ा अपना राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा अपने हाथ में पकड़े हुए थे, उनके साथ में नदीम भी खड़े हुए थे। दोनों का दोस्ताना सदैव चर्चा का विषय रहा है। टोक्यो ओलंपिक में भी नीरज चोपड़ा ने अपना भाला नदीम को दिया था। क्या स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का इससे अच्छा उदाहरण कोई हो सकता है? इस प्रकार की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल हम दोनों देशों के बीच अन्य क्षेत्रों में क्यों नहीं स्थापित कर सकते हैं? दोनों ही देश के नागरिक आज से 75 वर्ष पूर्व भारत में ही साथ रहते थे बिना किसी परेशानी और भेदभाव के। ये एक-दूसरे के दुख दर्द में काम आते थे। कुछ लोगों की अतिरिक्त महत्वाकांक्षा के कारण भारत का विभाजन हुआ और पाकिस्तान बना, किंतु लोगों की रीति-रिवाज, रहन-सहन, खानपान तो जो वर्षों से एक जैसे थे वैसे ही अभी बने हुए हैं। भारत के कई परिवारों के रिश्ते आज भी पाकिस्तान में हैं।

जब कभी भारत और पाकिस्तान की सीमा पर तनाव होता है तो सबसे बड़ा नुकसान कला, संगीत, फिल्म खेल के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को होता है। यदि दोनों देशों के राजनीतिज्ञ परस्परिक संबंधों को सामान्य करने में सफल नहीं हो पा रहे हैं, तो क्या यह उचित नहीं होगा कि दोनों देश के खिलाड़ियों और कलाकारों को ऐसा करने का अवसर दिया जाए। वर्तमान में तो थोड़ा सा तनाव होने पर सर्वप्रथम दोनों देश आपसी व्यापार, खेल स्पर्धा, कलाकारों का आवागमन एक दम बंद कर देते हैं। यह संभावना तब ही है जब

पूर्व में देश के नागरिकों ने अनेक बार यह सिद्ध किया है कि समय-समय पर जब भी देश कोई बहुत बड़ी सफलता प्राप्त करता है, सब लोग एक साथ मिलकर किस प्रकार से अपनी खुशी को व्यक्त करते हैं, इसका नवीनतम उदाहरण चंद्रयान-3 की सफलता के समय देखा गया। प्रत्येक नागरिक के द्वारा व्यक्त उल्लास देखते ही बनता था। इसी प्रकार जब कभी कोई बाहरी संकट होता है तब भी देश ने अपनी अद्भुत एकता का परिचय दिया है।

देश पीछे चला जाता है, वह इस प्रकार की घटनाओं से भी बचना या संकेत करते हैं। यह सब बातें हैं जो सफलता की कुंजी हैं, इस तथ्य को हमें समझना, स्वीकार और आत्मसात करना होगा।

आगामी चुनाव में जातिगत और धार्मिक भावनाओं को भड़काने के स्थान पर, दोनों समुदायों के समक्ष जो समस्याएँ खड़ी हैं जैसे- अज्ञानता, अशिक्षा, कुपोषण गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई आदि के बारे में अधिक ध्यान देना होगा। इन समस्याओं का हल निकालने के संबंध में कोई योजना बनाने में परस्पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो तो मतदाताओं के लिए एक अच्छा भविष्य तैयार करने का रास्ता मँपा जाएगा। ऐसा होना केवल कल्पना नहीं अपितु संभव है। आवश्यकता केवल दृढ़ इच्छा शक्ति की, अपने क्षुद्र स्वार्थ को तिलांजलि देने की है। ऐसा वातावरण निर्माण करने में सभी वर्गों और समुदाय के लोग अपना-अपना योगदान कर सकते हैं। ऐसा करते समय उन तत्त्वों को अलग-थलग करना होगा जो देश को विभाजित करने में लगे रहते हैं और एक दूसरे के विरुद्ध घृणा का वातावरण बनाने हेतु प्रेरित करते हैं।

हमें यह स्वीकार करना होगा कि देश के नागरिक इसी देश में रहने वाले हैं और इनमें से किसी को भी कहीं बाहर जाने के लिए नहीं कहा जा सकता। यह देश यहाँ रहने वाले सभी 140 करोड़ लोगों का है और स्वस्थ भविष्य एक साथ जोड़ा हुआ है। देश को कमजोर करके कोई भी एक वर्ग या समुदाय को आगे नहीं बढ़ सकता। यह बात सब राजनीतिक दलों को समझनी होगी। आगामी कुछ महीनों में चार राज्यों की विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव होंगे। इस बार क्या एक आम जन की तरह हम यह अपेक्षा कर सकते हैं कि चुनाव में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगड़ने का कोई काम नहीं होगा और केवल और केवल भारतीयों के विकास और बेहतर की बात की जाएगी? विभिन्न दल अपनी और से इस बात के लिए मतदाताओं के समक्ष चुनावी घोषणा पत्र में रूपरेखा प्रस्तुत करें कि वह कैसे देश की गरीबी, कुपोषण, बीमारी, बेरोजगारी और महंगाई पर नियंत्रण करेंगे और ऐसा करने में भी किस प्रकार सभी वर्गों का सहयोग प्राप्त करेंगे? जो दल इस प्रकार का रोड मैप प्रस्तुत करने में सफल होंगे, उनको समर्थन मिलना निश्चित होगा। यदि अगले चुनाव में भी हमने अपने पुराने रास्तों को नहीं छोड़ा और केवल छोटे-छोटे स्वार्थ के लिए जनता को भड़काने का काम करने लगे तो फिर हम देश में दो सदियों में एक साथ जो रहे होंगे, एक 21वीं और 19वीं सदी में, जहाँ एक ओर भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ देश को दुनिया का सिरमौर बनाने का श्रेय प्राप्त करेंगे, वहीं यहाँ की सामाजिक कटुता और आपसी भेदभाव हमें कई क्षेत्रों में गरीब अमीरी की देशों से भी पीछे ले जाने का काम करेंगे।

पूर्व में देश के नागरिकों ने अनेक बार यह सिद्ध किया है। समय-समय पर जब भी देश कोई बहुत बड़ी सफलता प्राप्त करता है, सब लोग एक साथ मिलकर किस प्रकार से अपनी खुशी को व्यक्त करते हैं, इसका नवीनतम उदाहरण चंद्रयान-3 की सफलता के समय देखा गया। प्रत्येक नागरिक के द्वारा व्यक्त उल्लास देखते ही बनता था। इसी प्रकार जब कभी कोई बाहरी संकट होता है तब भी देश ने अपनी अद्भुत एकता का परिचय दिया है। प्रश्न केवल यही है कि क्या हमें एकता का परिचय देने के लिए किसी भारी संकट का इंतजार करना होगा या हम सामान्य समय में भी सदैव एकजुट होकर के राष्ट्र के प्रति में अपना सर्वस्व लगाने के लिए अवसर लोगों को प्रदान कर पाएँगे? ऐसा हम सबको करना होगा। अपने राष्ट्र की प्रगति के लिए अपने व्यक्तिगत स्वार्थ को आगे नहीं रखेंगे एवं एक अच्छे नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य का पालन करेंगे ताकि हम आने वाले समय में अपने वाली पीढ़ियों लिए अच्छा उदाहरण प्रस्तुत कर सकें।

देश की विविधता इसका एक आभूषण है, इसकी कमजोरी नहीं। हमारे यहाँ पर जितनी विविधता है उतनी शायद विश्व के किसी भी देश में नहीं है। जब विभिन्न प्रकार की विविधताओं के साथ हम खुशहाली के साथ रह सकते हैं तो इन विविधताओं को हम अपनी कमजोरी क्यों बनने दें? कल्पना कीजिए सबको एक जैसा बनाने का प्रयास वैसा ही होगा जैसे किसी बगीचे में एक ही रंग के सारे फूल हों। कोई भी बगीचा तब ही बहुत लुभावना और अच्छा लगता है जब उसमें विभिन्न रंगों के फूल खिले हों। हमारा देश इसी प्रकार के विभिन्न रंगों के फूलों वाला गुलदस्ता है, जिसमें भाँति-भाँति के लोग, रीति रिवाज, त्योहार और उत्सव हैं। सभी एक-दूसरे के साथ इनको मानने में सदैव से भागीदार रहे हैं।

आइए, हम सब मिलकर इस देश में सद्भावना बढ़ाने का काम करें और इसकी विविधताओं को स्वीकार करते हुए, सभी एक-दूसरे को परंपराओं का सम्मान करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान पर रखने के लिए प्रेरित करें। ऐसा करते समय श्रुआहत हम स्वयं से ही हों। भारत के समक्ष एथलेटिक्स में जो उदाहरण 4X400 मीटर की रिले रेस की टीम ने प्रस्तुत किया है और जिस खेल भावना का प्रदर्शन नीरज चोपड़ा और नदीम ने प्रस्तुत किया है, उससे सीख लें। हमारे राजनीतिज्ञों को खिलाड़ियों से अवश्य सीख लेनी चाहिए तभी हम आगे बढ़ने का मार्ग तेजी से प्रशस्त कर पाएँगे और तब हम निश्चित रूप से विश्व गुरु कहलाने का वास्तविक हकदार।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भागवत,
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

रेलमंत्री ने उदयपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का लिया जायजा

उदयपुर, (कासं)। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को उदयपुर के सिटी रेलवे स्टेशन पर पुनर्विकास कार्यों की प्रगति देखी। उन्होंने उदयपुर स्टेशन पर बनने वाले रूफ प्लाजा के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह रूफ प्लाजा देश के सबसे बड़े रूफ प्लाजा में से एक होगा।

इस दौरान पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश के स्टेशनों को विश्व स्तरीय बनाने की कड़ी में उदयपुर स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य बहुत तेज गति से चल रहा है। उल्लेखनीय है कि 354 करोड़ की लागत से उदयपुर स्टेशन का विश्वस्तरीय पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है। उदयपुर-अहमदाबाद ट्रेक पर और अधिक गाड़ियों चलाने के संबंध में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अभी तक यह ट्रेक नया था, लेकिन समय बीतने के साथ अब स्थिर हो चुका है, धीरे-धीरे इस पर गाड़ियों की संख्या भी बढ़ेगी। इस ट्रेक पर फेंसिंग का कार्य स्वीकृत कर शीघ्र पूर्ण कराया जाएगा।

उदयपुर स्टेशन के निरीक्षण के पश्चात रेल मंत्री ने उदयपुर से



उदयपुर में केन्द्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव सिटी रेलवे स्टेशन के प्रगति कार्यों का अवलोकन किया।

चिचौड़गा -नीचक रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और महाप्रबंधक उतर पश्चिम विजय शर्मा व प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर उतर पश्चिम रेलवे के कार्यों की समीक्षा। उन्होंने पुरा टूली जैसे विभिन्न उत्पादों को और अधिक यांत्रिकीय बनाये जाने पर जोर दिया साथ ही रोलिंग ब्लॉक को और अधिक प्रभावी ढंग से

उपयोग किए जाने के निर्देश दिए ताकि ट्रेन संचालन में सुरक्षा सर्वोपरि रहे। उल्लेखनीय है कि उदयपुर स्टेशन का विश्वस्तरीय पुनर्विकास

■ उदयपुर के सिटी रेलवे स्टेशन पर बनने वाले रूफ प्लाजा देश के सबसे बड़े रूफ प्लाजा में से एक होगा : रेल मंत्री

कार्य प्रगति पर है। 354 करोड़ रूपए की लागत से किये जाने वाले पुनर्विकास कार्यों के अंतर्गत नई बिल्डिंग के साथ ही कॉनकोर्स एवं फुट ओवर ब्रिज स्काई वॉक से जुड़ेंगे। रेलवे द्वारा उदयपुर स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त करने के लिए पुनर्विकास कार्य युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। हाल ही में उदयपुर स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नाथद्वारा से किया गया था। इस अवसर पर उदयपुर सांसद अर्जुनलाल मीणा, महाप्रबंधक उतर पश्चिम रेलवे विजय शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक अजमेर राजीव धनखड व उतर पश्चिम रेलवे जनसंपर्क अधिकारी केप्टन शशि किरण सहित उतर पश्चिम रेलवे के कई अधिकारी मौजूद थे।

दहेज और नशा मुक्त समाज के निर्माण का आव्हान

जोधपुर, (कासं)। दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ की ओर से मारवाड़ राजपूत सभा भवन जोधपुर में सिवाणा मठ के संत चेट्टीनाथ के सानिध्य में व मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खागटा के मुख्य अतिथि में तथा दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में एक दिवसीय सगाई व परिचय सम्मेलन का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष गणपत सिंह राठौड़ ने समाज में फैली कुर्रितियों, कुप्रथाओं व कुर्रिवाजों पर अंतुःश लगाने तथा दहेज और नशा मुक्त समाज के निर्माण का आव्हान किया तथा फिजूल खर्ची व दिखावा नहीं करने की अपील की। संस्थापक महेंद्र सिंह जाखली ने बताया कि इस अवसर पर 700 विवाह योग्य युवक युवतियों के रजिस्ट्रेशन हुए तथा वायोडाटा मिला व परिचय सम्मेलन भी रखा गया। सम्मेलन में चार दहेज विरोधी सगाईयाँ भी हुई



दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ की ओर से मारवाड़ राजपूत सभा भवन जोधपुर में सगाई व परिचय सम्मेलन का आयोजन संपन्न हुआ।

जिनको तथा दहेज नहीं लेने वाले 25 परिवारों को मंच पर सम्मानित किया गया। हनुमान सिंह खागटा ने बताया कि आज दहेज विरोधी क्षत्रिय संघ

ने मारवाड़ क्षेत्र में सफल व भव्य आयोजन का आगाज किया है जो

■ दहेज नहीं लेने वाले 25 परिवारों को मंच पर सम्मानित किया

बहुत ही समाज में जागृति योग्य व समाज को सशक्त बनाने योग्य है। इस अवसर पर संघ के जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह सिसोदिया, प्रदेश उपाध्यक्ष जबर सिंह राठौड़, युवा अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह तेना, देवेन्द्र सिंह शेखावत, देवी सिंह चौहान, विराम सिंह छावसरी, सुमन कंवर, रंभा कंवर, भंवर मनजीत सिंह, गजेंद्र सिंह, तेज सिंह चावडिया, दिनेश सिंह बाबर, किशन सिंह सोडा, गिरधारी सिंह शेखावत, शायर सिंह सहित भारी संख्या में मातृशक्ति व समाजसेवियों ने संबोधित करते हुए दहेज नहीं लेने का संकल्प लिया। लगभग 2000 से ऊपर समाज बंधु व मातृशक्ति की उपस्थिति उपस्थिति रही व सहभोज का भी आयोजन रखा गया।

घर में शुद्ध हवा के लिए आई.आई.टी. जोधपुर ने डिवाइस विकसित की

यह डिवाइस 99.99 प्रतिशत से अधिक हानिकारक विषाणुओं को निष्क्रिय करती है

जोधपुर, (कासं)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के शोधकर्ताओं ने घर के अन्दर बेहतर वायु गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नवीन कोल्ड-प्लाज्मा डिजिटैड एनवायरनमेंट (कोड) डिवाइस को विकसित किया है। शोध में इस डिवाइस की व्यापक रूप से जांच की गई है जिसमें यह सामने आया है कि यह डिवाइस 99.99 प्रतिशत से अधिक हानिकारक विषाणुओं को निष्क्रिय करता है और उच्च गुणवत्ता वाली इंडोर वायु प्रदान करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के

■ विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण मुख्य रूप से पुरानी बीमारियों के खतरों को बढ़ाने के पांच कारणों में से एक है

अनुसार वायु प्रदूषण मुख्य रूप से पुरानी बीमारियों के खतरों को बढ़ाने के पांच कारणों में से एक है। हम भोजन की तुलना में आठ गुना अधिक और पानी की तुलना में चार गुना अधिक

ऑक्सीजन या हवा को ग्रहण करते हैं। इंडोर ऑक्सीजन में आमतौर पर बाहरी हवा की तुलना में लगभग 2-5 गुना अधिक प्रदूषण होता है। वहीं आजकल सिक बिल्डिंग सिंड्रोम भी एक चुनौतीपूर्ण मुद्दा है। इनके अलावा हवा में रहने वाले रोगाणु से होने वाला संक्रमण भी वर्तमान में एक बड़ी चुनौती है। लगभग हर साल हम देख रहे हैं कि एक नये बैक्टीरिया या वायरस की उत्पत्ति हो रही है जिससे बीमारियों और महामारी उत्पन्न हो रही हैं। वर्तमान में उपलब्ध इंडोर वायु

शुद्धिकरण उपकरणों द्वारा लम्बे समय तक जीवित रहने वाले विषाणुओं और छोटे आकार के एयरोसॉल्स को प्रभावी तरीके खत्म नहीं किया जा सकता है। घर के वातावरण में वायु जनित रोगाणुओं व विषाणुओं के संक्रमण के जोखिमों को कम करने के लिए आईआईटी जोधपुर के प्रोफेसर डॉ. राम प्रकाश, डॉ. अंबेश दीक्षित, रामावतार जांगड़ा, किरण आहलवात द्वारा एक नॉवेल कोल्ड-प्लाज्मा डिजिटैड एनवायरनमेंट कोड डिवाइस विकसित की गई है। जिसके परिणाम हाल ही में नेचर

साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं। इस तकनीक पर आधारित इंडोर एयर स्ट्रेलाइजर्स का निर्माण दिव्या प्लाज्मा सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। यह एक स्टार्टअप कंपनी है जो आईआईटी जोधपुर टेकनोलॉजी इनोवेशन और स्टार्टअप सेंटर (टीआईएससी) द्वारा संचालित है। इस कंपनी का उद्देश्य घर के वातावरण में वायु जनित रोगाणुओं को निष्क्रिय करना और संक्रमण के जोखिमों से एक साथ निपटना है साथ ही दूषित जगहों पर हवा को शुद्ध करना है।

राशिफल मंगलवार 5 सितम्बर, 2023



पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत् 2080, भरणी नक्षत्र प्रातः 9:00 तक, व्याघात योग रात्रि 11:23 तक, वणिज करण दिन 3:47 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:00 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरु-मेष, शुक-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में। आज सर्वार्थ सिद्धि योग और रवियोग दिन 9:00 से आरम्भ होगा। त्रिपुष्कर योग दिन 3:47 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 3:47 से रात्रि 3:43 तक है। आज हल षष्ठि और ललही छठ, शिक्षक दिवस है। श्रेष्ठ चौघड़ियां: घर 9:18 से 10:52 तक, लाभ-अमृत 10:52 से 1:59 तक, शुभ 3:33 से 5:06 तक। राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:11, सूर्यास्त 6:40

मेष
मनःस्थिति में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्तर पश्चात समय अर्नाल कार्यों में खराब हो सकता है।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। अर्नाल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। दिन के मध्यान्तर पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। दिन के मध्यान्तर पश्चात व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। दिन के मध्यान्तर पश्चात अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्तर पश्चात घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक बृद्धि हो सकती है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यक्तिगत प्रयासों से महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा का ध्यान रखें। घर-परिवार में वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।